B.Ed I year 2019-21 C4

भाषा विकास (Language Development)

यदि बालक का जन्म सामान्य रूप से हुआ है तो यह क्रमशः भाषा के विकास की विभिन्न स्थितियों से गुजरते हुए भाषा पर अधिकार कर लेता है यह विकास एक सतत प्रक्रिया है और इसके विभिन्न स्थितियों पर एक स्तर पर पूरी तरह से अलग नहीं की जा सकती है। यह भी आवश्यक नहीं है ये स्थितियां में निश्चित क्रम में स्पष्ट रूप से सभी बालको में दिखाई देती है। इसके अतिरिक्त, भाषा विकास की प्रगति भी सभी आयु में और सभी बालको में एक सी दिखाई नहीं पड़ती है।

भाषा के विकास को आयु के अनुसार निम्नलिखित तीन कालो में बांटा गया है।

① दो से तीन वर्ष की आयु:- इस आयु में बालक एक दो शब्दो से आगे बढ़कर कई शब्दो के वाक्य बोलने लगता है। इसमें वह सर्वनामो का अधिक प्रयोग करता है। अभी उसे 'मैं', 'मुझे' का सही सही से प्रयोग नहीं आता है। इस काल में अन्त तक वह बहुवचन और भूतकाल का प्रयोग सीख लेता है। तीन वर्ष

का बालक अधिक जटिल वाक्यो का प्रयोग करता है।

(2) चार से पांच वर्ष की आयु चौथे वर्ष तक आयु तक बालक की वाक्य रचना मे काफी सुधार हो जाता है। वह व्याकरण के नियमो का पालन करता देखा जाता है। इस आयु मे वह अधिक बोलता है। वह प्रत्येक बात में रुचि दिखाता है। और तरह तरह से प्रश्न पूछता है। प्रश्न पूछ लेने पर कभी कभी उत्तर की प्रतिक्षा बिना तुरन्त दूसरा प्रश्न पूछता है। और इस प्रकार प्रश्नो की झड़ी लगा देता है। इससे ऐसा प्रतीत होता है कि प्रश्न पूछने के कारण उसकी इतनी अधिक जिज्ञासा नहीं होती है। जितनी वह बढ़ती हुई शब्द शक्ति के अभ्यास के लिए करता है।

(3) बाद बाल्यकाल :- इसमें बालक प्राथमिक पाठशाला में जाने लगता है अब वह अपनी मनचाही बात भली प्रकार ~~प्रकार~~ बोल लेता है। और बात-चीत करने में तथा सीखने में कुछ मत्तापूर्वक भाषा का प्रयोग करता है। इस समय उसके भाषा सम्बन्धी

[illegible]

(3)

शिक्षक [illegible] और विद्यालय का महत्वपूर्ण
योगदान होता है। वह सही उच्चारण करने में
प्रयास कराता है।